डॉ सुनीता मंडल

विभागाध्यक्ष की मेज से विभाग के मिशन वक्तव्य / विभाग की उपलब्धियों का जिक्र एवम् संक्षिप्त परिचय और सिंहावलोकन:

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग स्नातक (एम बी बी एस) और स्नातकोत्तर (एम डी, शरीर क्रिया विज्ञान) के शिक्षण में शामिल हैं। यह विभाग नर्सिंग कॉलेज के बी एससी नर्सिंग के विद्यार्थियों के शिक्षण में भी शामिल है। लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय और सम्बद्ध अस्पतालों में पोस्ट ट्रामा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी शामिल किया गया है । विभाग के संकाय सदस्य संस्था एवम् स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय की विभिन्न प्रशासनिक गतिविधियों में भी शामिल रह रहे हैं।

आज की बदलती जीवनशैली और समाज में तनावपूर्ण जीवन के स्तर में वृद्धि को देखते हुए विभाग योगाभ्यास के विभिन्न तरीकों , जैसे कि ध्यान, प्राणायाम के द्वारा शरीर की क्रिया प्रणाली में प्रभाव (यथा हृदय एवं श्वसन क्रिया में सुधार,संज्ञान और प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि) पर शोध कार्य कर रहा है । विभाग में जारी अनुसंधान कार्यों में सांस की बीमारिया जैसे कि COPD (सी॰ ओ॰पी॰डी॰), एवम् जीवनशैली विकारों सम्बंधित विभिन्न क्षेत्र जैसे कि - मधुमेह, मोटापा, उच्चरक्तचाप, अवसाद और ए डी एच डी (ADHD) जैसे महत्वपूर्ण बीमारियों पर अध्ययन शामिल है । इसके अतिरिक्त विभाग में - लोहे की कमी से रक्ताल्पत्ता, अस्थमा, थायराइड सम्बंधित रोग, मानसिक तनाव तथा संगीत चिकित्सा के लाभदायक प्रभाव पर भी अध्ययन आयोजित किया गया है । उपर्लिखित अध्ययनों में विभिन्न मानकों, जैसे कि शारीरिक स्वायत्त कार्यों, फेफड़े के कार्य क्षमता ,संज्ञानात्मक कार्यों की कार्य क्षमता, दृष्टि संबन्धित ईवोकड पोटैन्श्यल (Evoked potentials) , श्रवण सम्बंधित ईवोकड पोटैन्श्यल (Evoked potentials), और जैवरासायनिक मानकों को बड़े पैमाने पर नियोजित किया गया है ।विभाग के संकाय द्वारा बहुत से शोधपत्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं ,जो विशेष संकाय द्वारा समीक्षा के बाद प्रकाशित किए जाते हैं ।

विभाग में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीनस्थ आयुष विभाग के अंतर्गत CCRYN (केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद,जनकपुरी) के सहयोग के द्वारा , योग और प्राकृतिक चिकित्सा वह्यारोग विभाग और जीवनशैली हस्तक्षेप केंद्र की स्थापना की गई है।

विभाग में फेफड़े सम्बंधित , स्वायत्त सम्बंधित, तंत्रिका विज्ञान प्रयोगशाला आदि प्रयोगशलाओं द्वारा रोगी की देखभाल के लिए सेवाएं प्रदान की जाती है।